>

Title: Regarding scarcity and exodus of doctors from the Central Government Health Services in the Country and non-implementation of Javed Choudhary Committee Report.

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदय, योजना आयोग की उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं की हालत काफी खराब है, डॉक्टरों की कमी है। पूरे देश में लगभग छः लाख डॉक्टरों की कमी है और प्रति एक लाख लोगों पर केवल साठ डॉक्टर ही उपलब्ध हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में स्थिति अच्छी नहीं है। यह देखा गया है कि पीएमटी की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की संख्या दिन प्रतिदिन कम हो रही है और ज्यादातर इंजीनियरिंग की ओर रुझान हो रहा है। अभी जावेद चौधरी, जो पूर्व स्वास्थ्य सचिव थे, 2005 में जावेद चौधरी कमीशन बैठा था जिसकी रिपोर्ट आई है, जिसमें केंद्रीय स्वास्थ्य चिकित्सा सेवा के सभी अधिकारियों की रिटायरमेंट एज 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की सिफारिश की गई थी। इस सेवा में चार कैडर हैं, जिसमें तीन सब कैडरों की आयु बढ़ाई गई...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्या हो रहा है? Cross-talk is going on in the House. He is raising a very important issue.

...(*Interruptions*)

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदय, जीडीएमओ, सब कैडर जो बड़ा कैडर है, उसकी तुंत उम्र बढ़ाने की जरूरत है। ...* जिन्हें पांच वर्ष से प्रमोशन नहीं मिला है, इनको एक बार प्रमोशन अवश्य देना चाहिए। जावेद चौधरी कमेटी की सिफारिश को तुंत लागू किया जाए अन्यथा...(व्यवधान)

महोदय, अन्यथा योग्य सरकारी डॉक्टर नौकरी छोड़कर प्राइवेट अस्पतालों में जाने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

MR. SPEAKER: I would not allow individual cases to be raised.

...(*Interruptions*)

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदय, यह इन्डीविजुअल केस नहीं है, छः लाख डॉक्टरों की बात है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Please bring it to me. I want to see it. I would not allow individual cases on the floor of the House.

...(*Interruptions*)